SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION
MARCH-2018

अंक योजना – अर्थ शास्त्र (दिल्ली)

Expected Answers / Value Points

अपेक्षित उत्तर / मूल्यांकन बिंदु

सामान्य निर्देश

1 The Marking Scheme carries only suggested value points for the answers. These are only guidelines and do not constitute the complete answers. Students can have their own expression and if the expression is correct, marks should be awarded accordingly.

2 As per orders of the Hon'ble Supreme Court,a candidate would now be permitted to obtain a photocopy of his/her Answer Book on payment of the prescribed fee. Examiners/Head Examiners are, therefore, once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

3 Head Examiners/Examiners are hereby instructed that while evaluating the answer books, if the answer is found to be totally incorrect, the (X) should be marked on the incorrect answer and awarded '0' mark.

4 Please examine each part of a question carefully and allocate the marks allotted for the part as given in the 'Marking Scheme' below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.

5 Expected/suggested answers have been given in the 'Marking Scheme'. To evaluate the answers, the value points indicated in the marking scheme should be followed.

6 For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanations and definitions have been indicated along with the value points.

7 For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark should be deducted for such an error.

8 Where only two / three or a 'given' number of examples / factors / points are expected, only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.

9 There should be no effort at 'moderation' of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.

10 Higher order thinking ability questions are for assessing a student's understanding / analytical ability.

General Note: In case of a numerical question, no marks should be awarded if only the final answer has been given, even if it is correct.

अपेक्षित उत्तर / मूल्यांकन बिंदु

भाग - अ

Question No.			अनुभाग – अ	Marks
1.	**2**	**3**	सर्वश्रेष्ठ विकल्प की मूल्य है	**1**
2.	**3**	**2**	शून्य उत्पादन स्तर पर	**1**
3.	**4**	**1**	(ब) वस्तु की कीमत	**1**
4.	**1**	**4**	(द) 1.5	**1**
5.	**6**	**5**	इस समस्या का सम्बन्ध उस स्थिती से है जब एक अर्थव्यवस्था तय करती है कि उसे किन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करना है तथा कितनी मात्रा का उत्पादन किया जायेगा	क्योंकि संसाधन समान्यत: सीमित होते है तथा इनके वैकल्पिक प्रयोग होते हैं		**3**
			अथवा	
			उत्पादन संभावना वक्र निम्नलिखित परिस्थितियों में मूल बिंदु से दूर खिसक सकता है : १. संसाधनों में वृद्धि २. तकनीक में सुधार	**1 ½** **1 ½**
6.	**5**	**6**	$Ed=\frac{\Delta Q}{\Delta P} X \frac{P}{Q}$	**1**
			$-2 = \frac{100}{\Delta P} X \frac{20}{200}$	**1**
			$-2\ (\Delta P) = 10$	½
			$\Delta P = -5$	
			नयी कीमत = आरंभिक कीमत+ ΔP = 20+(-)5 = ₹15	½
7.	**8**	**9**	बजट रेखा का समीकरण $m = PxQx + PyQy$ जहाँ m = आय; इस प्रकार : $100 = 10Qx + 5Qy$	**1** **3**
			अथवा	
			प्रतिस्थापन की सीमान्त दर से अभिप्राय उस वह दर से है, जिस पर एक उपभोक्ता एक वस्तु की अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए दूसरी वस्तु की मात्रा त्यागने को तैयार है| जैसे जैसे उपभोक्ता अनाधिमान वक्र पर नीचे की ओर आता है प्रतिस्थापन की सीमान्त दर लगातार घटती जाती है	यह दर्शाता है की जब उपभोक्ता X वस्तु की अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करता है तो वह Y वस्तु की कम इकाईयो को त्याग करना चाहता है और इसका कारण है घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम है|	**1** **3**
8.	9	7	उत्पादक संतुलन की शर्ते है : १. MC = MR and २. MC = MR, उत्पादन स्तर के बाद MC>MR **<u>शर्त 1 की व्याख्या</u>** यदि MC<MR है तो , यह उत्पादक के लिए लाभदायक होगा क्योकि हर नयी इकाई के उत्पादन से लाभ में वृद्धि होगी, जिससे प्रेरित हो कर उत्पादक और उत्पादन करेगा तथा जब	**1** **1** **1**

			तक की MC = MR न हो जाये	 यदि MC>MR है, तब भी उत्पादक संतुलन में नही होगा क्योकि यहाँ लाभ संतुलन स्तर पर लाभ के स्तर से कम होगा जिससे उत्पादक उत्पादन में तब तक कमी करेगा जब तक की MC = MR न हो जाये	 **<u>शर्त 2 की व्याख्या</u>** यदि MC = MR स्तर के पश्चात MC<MR होता है, तो प्रत्येक नयी इकाई लाभ में वृद्धि करेगी	 यदि MC = MR स्तर के पश्चात MC>MR होता है, तो प्रत्येक नयी इकाई लाभ में कमी करेगी	अत: ऐसी स्थिति में उत्पादक और उत्पादन नही करेगा तथा उत्पादक संतुलन में होगा		**1**
9.	**7**	**8**	प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्वतंत्रता का निहितार्थ है कि फर्मो के उद्योग में प्रवेश तथा बहिर्गमन पर कोई अवरोध नही होते	जब वर्तमान फर्मे असामान्य लाभ अर्जित करती है तो नयी फर्मे उद्योग में प्रवेश के लिए प्रेरित होती है, इससे बाज़ार पूर्ती में वृद्धि होती है तथा कीमतों में तथा लाभ में कमी होती है	प्रवेश तब तक चलता रहता है जब तक कि फर्मे केवल सामान्य लाभ अर्जित करती है	 इसी प्रकार जब फर्मो को हानि होती है तो कुछ फर्मे उद्योग को छोड़ देती है जिससे बाज़ार पूर्ती में कमी होती है परिणाम स्वरूप कीमत बढ़ जाती है तथा हानि में कमी आने लगती है इस प्रकार दीर्घ काल में फर्मे केवल सामान्य लाभ अर्जित करती है	 **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	**4**
10.	**12**	**11**	माना उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X तथा Y का उपभोग करता है तब संतुलन की शर्ते निम्न है : १ $\frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_X}{P_y}$ २ जब वस्तु की अधिक मात्रा का उपभोग किया जाता है तब MU घटती है व्याख्या : १. यदि $\frac{MU_X}{P_X} > \frac{MU_Y}{P_Y}$ इस स्थिति में उपभोक्ता को Y वस्तु के मुकाबले X वस्तु से अधिक प्रति रुपये सीमान्त उपयोगिता प्राप्त होती है अत: वह X वस्तु को अधिक खरीदेगा और Y वस्तु को कम खरीदेगा	इससे MU_X में कमी आयेगी और MU_y बढ़ेगा	उपभोक्ता तब तक Y को खरीदना जारी रखेगा जब तक $\frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_y}{P_y}$ न हो जाये | (इस प्रकार $\frac{MU_X}{P_X} < \frac{MU_y}{P_y}$ पर आधारित उत्तर भी मान्य होगा) २. जब उपभोग बढता है तो MU घटता है	अगर MU नहीं घटेगा तो उपभोक्ता संतुलन स्तर पर नही पहुचेगा		**1** **1** **3** **1**

11.	**10**	**12**	परीक्षक कृपया जांचें: (i) MC वक्र,ATC तथा AVC वक्रो को उनके न्यूनतम बिन्दुओ पर काटता है (ii) उत्पादन में वृद्धि के साथ ATC तथा AVC वक्रो के बीच की दूरी निरंतर घटती है । 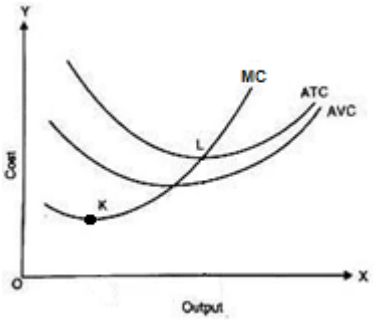 MC, AVC तथा AC के बीच संबंध: जब MC < ATC/AVC, ATC/AVC गिर जाता है MC = ATC /AVC , ATC /AVC स्थिर होता है MC > ATC /AVC , ATC /AVC बढ़ जाता है **<u>दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए कोई भी उपयुक्त संख्यात्मक तालिका</u>**	**3** **3** **3**
12.	**11**	**10**	"न्यूनतम कीमत" सीमा निर्धारण से अभिप्राय उस न्यूनतम कीमत से है जिसे सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तथा कोई भी उत्पादक अपने उत्पाद को इस कीमत से कम कीमत पर नही बेच सकता है | क्योकि समान्यता: यह कीमत संतुलन कीमत से अधिक होती है इसलिए बाज़ार में पूर्ति आधिक्य की स्थिती होती है अत: उत्पादक अपने उत्पाद को इस कीमत पर नही बेच पाता तथा वह गैरकानूनी रूप से न्यूनतम कीमत से कम कीमत पर अपने उत्पाद को बेचने का प्रयत्न करता है | **अथवा** एक वस्तु का बाज़ार संतुलन में है	मांग में कमी मौजूदा कीमत पर पूर्ति आधिक्य पैदा करती है। - इसके परिणामस्वरूप, विक्रेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा होती है, क्योंकि विक्रेता जो भी मात्रा सब मौजूदा कीमत पर बेचना चाहते है, वह बेचने में सक्षम नहीं होंगें - कीमत में गिरावट से मांग में वृद्धि और आपूर्ति में गिरावट होगी । - ऐसे परिवर्तन तब तक जारी रहते है जब तक बाजार नई संतुलन तक न पँहुच जाय । **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	**2** **4** **6**
			अनुभाग ब	
13.	**16**	**14**	कारखानों तथा वाहनों द्वारा प्रदूषण **(कोई भी अन्य प्रासंगिक उदाहरण)**	**1**
14.	**15**	**13**	द) उपरोक्त सभी	**1**
15.	**14**	**16**	जनता के पास करेंसी तथा बैंको के पास की मांग जमायें	**1**
16.	**13**	**15**	समग्र पूर्ती से अभिप्राय किसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन हेतु नियोजित सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य से है		**1**
17.	**1**	**1**	वे आर्थिक चर जिन्हें समय के एक निश्चित बिन्दु पर मापा जाता है स्टॉक कहलाते है| जैसे - पूँजी, आदि जबकि वे आर्थिक चर जिन्हें निश्चित समय अवधि में मापा जाता है प्रवाह कहलाते है जैसे - आय, आदि	**1 ½** **1 ½**

			(अन्य प्रासंगिक उदाहरण मूल्यांकन किये जाने चाहिए) **अथवा** पूंजीगत वस्तुएं, वे टिकाऊ वस्तुएं है जिनका वस्तुओ और सेवाओ के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है **जबकि** उपभोक्ता वस्तुएं वे वस्तुएं है जिनका प्रयोग उपभोक्ताओ द्वारा अपनी आवश्कताओं की संतुष्टि के लिए किया जाता है |	**1 ½** **1 ½**
18.	**17**	**18**	निवेश गुणक एक ऐसा मापक है जो निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन के फलस्वरूप आय में अंतिम परिवर्तन के अनुपात को मापता है | निवेश गुणक तथा सीमान्त उपभोग प्रवृति के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है अर्थात यदि सीमांत उपभोग प्रवृति का मूल्य ऊँचा है तो निवेश गुणक का मूल्य भी ऊँचा होगा | $K = \frac{1}{1 - MPC}$	**1** **2**
19.	**20**	**21**	केंद्रीय बैंक द्वारा अर्थव्यस्था में मुद्रा की आपूर्ति तथा साख के नियंत्रण के लिए जो नीति अपनाई जाती है उसे मोद्रिक नीति कहा जाता है मौद्रिक नीति के प्रमुख उपकरण हैं : बैंक दर, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, नकद आरक्षित अनुपात, सांविधिक चलनिधि अनुपात आदि । **(कोई तीन उपकरण)**	**1** **3**
20.	**21**	**19**	पूर्ण रोजगार वह स्थिति है जिसमें मजदूरी की प्रचलित दर पर जो श्रमिक कार्य करने की इच्छा व योग्यता रखता है उसे कार्य का अवसर उपलब्ध हो | यदि पूर्ण रोजगार के स्तर पर आवश्यक कुल पूर्ति से कुल मांग अधिक है (AD>AS) तो यह स्थिति अतिरिक्त मांग /स्फीतिक अन्तराल कहलाती है |इस स्थिति में उपलब्ध वस्तुएं एवम् सेवाएँ कुल मांग के आवश्यक स्तर से कम रह जाती हैं तथा पूर्ण रोजगार की स्थिति में अतिरिक्त वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन संभव नहीं होता जिससे सामान्य कीमत स्तर में वृद्धि होती है **(आरेख आवश्यक नहीं)** **अथवा** आय का संतुलन स्तर के निर्धारण करने के दो विकल्प हैं: i. समग्र मांग -समग्र पूर्ति अवधारणा (AD-AS अवधारणा) ii. बचत -निवेश अवधारणा(S-I अवधारणा)। दोनों के बीच आपसी संबंध: AD=AS (AD-AS अवधारणा) C+I = C+S I=S (S-I अवधारणा) **(आरेख आवश्यक नहीं)**	**1** **3** **2** **2**
21.	**19**	**20**	प्रत्याशित उपभोग से अभिप्राय अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय के निश्चित स्तर पर नियोजित उपभोग से है | स्वायत उपभोग से तात्पर्य उस उपभोग स्तर से है जो राष्ट्रीय आय पर निर्भर नही करता, अर्थात शून्य आय स्तर पर उपभोग, **जबकि** प्रेरित उपभोग से तात्पर्य उस उपभोग स्तर से है जो प्रत्यक्ष रूप से आय पर निर्भर करता है।	**1** **3**

22.	**23**	**23**	सरकारी बजट - सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष की नियोजित प्राप्तियो और नियोजित व्यय का विवरण है| इसके प्रमुख घटक हैं : अ) राजस्व प्राप्तियाँ - सरकार की वह प्राप्तियाँ जिससे न तो सरकार की परिसम्पत्तियो में कमी आती है और न ही सरकार के दायित्वयो में वृद्धि होती है | ब) पूंजीगत प्राप्तियाँ – सरकार की वह प्राप्तियाँ जिससे या तो सरकार की परिसम्पत्तियो में कमी आती है या तो सरकार के दायित्वयो में वृद्धि होती है | स) राजस्व व्यय – सरकार का ऐसा व्यय जिससे न तो सरकार की परिसम्पत्तियो में वृद्धि होती है और न ही सरकार के दायित्वयो में कमी आती है | द) पूंजीगत व्यय – सरकार का ऐसा व्यय जिससे या तो सरकार की परिसम्पत्तियो में वृद्धि होती है और या तो सरकार के दायित्वयो में कमी आती है		**2** **1x4=4**
			अथवा सरकार के बजट का उद्देश्य: अ) संसाधनों का आबंटन - अर्थव्यवस्था में ऐसी अनेको आर्थिक क्रियाये है जो निजी क्षेत्र के लिए लाभदायक नही होती जैसे जल आपूर्ति, साफ़ सफाई आदि	जनता के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार इन क्रियाओ का संचालन स्वयं करती है ताकि अधिकतम समाज कल्याण हो सके, साथ ही सरकार विभिन्न प्रकार की कर रियायतें तथा आर्थिक सहायता प्रदान करके निजी क्षेत्रो के उत्पादकों को जनता के हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है | ब) आर्थिक स्थिरता – आर्थिक स्थिरता का अर्थ है जब कीमतों में बड़े पैमाने पर उतार चढ़ाव नही होता क्योकि कीमतों में उतार चढ़ाव से अर्थवयवस्था में अनिश्चितता की स्थिति बनती है	सरकार ऐसे उतार चढ़ाव होने पर आर्थिक सहायता तथा कर रियायतें द्वारा नियंत्रण करती है	उदाहरण के लिए स्फीति अन्तराल की स्थिति में सरकार करो को बढ़ा कर तथा अपने व्ययों को कम करके समग्र मांग को कम करने में सहायता करती है जबकि अवस्फीति अन्तराल की स्थिति में आर्थिक सहायता तथा कर रियायतें दे कर समग्र मांग को बढाने में सहायता करती है | **(किसी अन्य कोई उपुक्त वर्णन हेतु अंक दें)**	**3** **3**
23.	**22**	**24**	**स्थिर विनिमय दर:** स्थिर विनिमय दरवह दर होती है जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है तथा जिस दर पर घरेलु मुद्रा का विदेशी मुद्रा में विनिमय कि/जाता है	 **नम्य विनिमय दर:** वह दर है जिसका निर्धारण विदेशी विनिमय बाज़ार में विदेशी विनिमय की मांग और पूर्ती की शक्तियों द्वारा किया जाता है। **प्रतिबंधित विनिमय दर** : यह विनिमय दर की ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत केंद्रीय बैंक बाज़ार शक्तियों द्वारा निर्धारित विदेशी विनिमय दर को आवश्यक परिस्थितियों के अनुसार हस्तक्षेप कर प्रभावित करता है		**2** **2** **2**
24.	**24**	**22**	अ) प्रचालन अधिशेष = (ii)+ [(iv) + (vii) + (viii)] = 800+ 460 + 940 + 300 = ₹ 2500 करोड़ ब) घरेलू आय = (i) + प्रचालन अधिशेष + (x) = 2,000 + 2500 + 200 = ₹4,700 करोड़ रुपए	**1½** **1** **½** **1½** **1** **½**